खनिज अन्वेषण गतिविधियॉ

संपादित परियोजनायें:— संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म व्दारा विभिन्न भू—वैज्ञानिक तकनीकों जैसे— सुदूर संवेदन, भौमिकी, भू—रासायनिक एवं भू—भौतिकी सर्वेक्षण, प्रस्तर अध्ययन, रासायनिक विश्लेषण इत्यादि के उपयोग से छत्तीसगढ़ में निम्नलिखित खनिज अन्वेषण परियोजनायें सफलतापूर्वक संपादित की हैः—

1. अन्तर्राष्ट्रीय परियोजनायें —

(अ) संयुक्त राष्ट्र विकास परियोजना (यू.एन.डी.पी.) के अंतर्गत सन् 1979 से 1983 के मध्य छत्तीसगढ़ में निम्नांकित अन्वेषण किये गये —

- रायपुर, जशपुर तथा रायगढ़ जिलों में स्वर्ण.
- दंतेवाड़ा जिले में टिन अयस्क.
- दंतेवाड़ा तथा राजनांदगांव जिलों में बेस मेटल.

(ब) भारत—जर्मनी परियोजना (इन्डो — एफ.आर.जी.) फेस—4 के अंतर्गत 1995 से 2000 के मध्य बस्तर जिले के तोकापाल क्षेत्र में हीरा अन्वेषण माडल का विकास.

2. राष्ट्रीय परियोजनायें — संचालनालय व्दारा अन्य संस्थाओं के साथ निम्न परियोजनायें की गई है :—

- **कोयला अन्वेषण** — सेंट्रल माइन प्लानिंग एवं डिजाइन इंस्टीट्यूट के माध्यम से कोल इंडिया लिमिटेड के लिये कोरबा, रायगढ़, कोरिया एवं सरगुजा जिलों में कोयला हेतु वेधन.
- **चूनापत्थर अन्वेषण** — रायपुर जिले के हिरमी क्षेत्र में एल एण्ड टी कंपनी के लिए सीमेंट श्रेणी चूनापत्थर हेतु पूर्वेक्षण.
- **जल विद्युत परियोजना** — बस्तर जिले में मटनार जल विद्युत परियोजना के अन्तर्गत छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल हेतु वेधन.
- **बाक्साइट अन्वेषण** — सरगुजा जिले के मैनपाट पठार में छत्तीसगढ़ मिनरल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड हेतु खनन योग्य प्रक्षेत्रों का सीमांकन.
- **टिन अयस्क हेतु अन्वेषण** — दंतेवाड़ा जिले में छत्तीसगढ़ मिनरल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड हेतु टिन के खनन योग्य प्रक्षेत्रों का सीमांकन.

3. विभागीय अन्वेषण कार्य — संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म व्दारा विभिन्न खनिजों हेतु निम्न जिलों में खनिज अन्वेषण किया गया/प्रगति पर है :—

- स्वर्ण — रायपुर, महासमुंद, कांकेर, रायगढ़ तथा जशपुर जिलों में.
- हीरा एवं अन्य बहुमूल्य रत्न — रायपुर, बस्तर, रायगढ़ तथा जशपुर जिलों में.

- टिन अयस्क (केसिटेराइट) – दंतेवाड़ा, बस्तर एवं महासमुंद जिलों में.
- कोरण्डम – दंतेवाड़ा जिले में.
- चूनापत्थर – रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, बिलासपुर, कबीरधाम, जांजगीर, बस्तर एवं रायगढ़ जिलों में.
- लौह अयस्क – राजनांदगांव, कबीरधाम, दंतेवाड़ा, कांकेर एवं बस्तर जिलों में.
- बाक्साइट – कांकेर, कबीरधाम, बस्तर, सरगुजा एवं जशपुर जिलों में.
- आकारीय पत्थर (ग्रेनाइट आदि) – रायपुर, रायगढ़, बस्तर एवं कांकेर जिलों में.
- बेस मेटल – बस्तर, राजनांदगांव एवं बिलासपुर जिलों में.
- डोलोमाइट – रायपुर, बिलासपुर, जांजगीर एवं बस्तर जिलों में.

विशिष्ट उपलब्धियां –

- बस्तर जिले में टिन धारित क्षेत्रों की खोज.
- रायपुर जिले में हीरा धारित किम्बरलाइट की खोज.
- सरगुजा जिले के शंकरगढ़ क्षेत्र में कोयला धारित प्रक्षेत्र की खोज.
- कबीरधाम जिले में लौह अयस्क भंडारों की खोज.
- विभाग के छः भू–वैज्ञानिक किम्बरलाइट की खोज हेतु "राष्ट्रीय खनिज पुरस्कार 1997" से सम्मानित.
- राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में सीमेंट, स्पांज आयरन, एल्युमिनियम निष्कर्षण आदि संयंत्रों हेतु उपयुक्त खनिज धारित क्षेत्रों की पहचान.